



# सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ

(पूर्वीचे पुणे विद्यापीठ)

## विद्यार्थी विकास मंडळ

गणेशखिड, पुणे - ४११ ००७.

डॉ. सविता कुलकर्णी

संचालक (अतिरिक्त कार्यभार)

संदर्भ क्र. विविमं/२०२६-२७/०४८

प्रति,

मा. प्राचार्य/मा. संचालक/मा. विभागप्रमुख,  
सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठाशी संलग्नित  
सर्व महाविद्यालये व परिसंस्था,  
विद्यापीठ परिसरातील सर्व शैक्षणिक विभाग.

दिनांक : २५/०६/२०२६

विषय : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), नवी दिल्ली आयोजित ०७ व्या 'नदी उत्सव' अंतर्गत  
माहितीपट फिल्म महोत्सवात सहभागी होण्याबाबत.

संदर्भ : JS/13/104/2024-25 Date 11<sup>th</sup> June, 2026 चे पत्र.

महोदय/महोदया,

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (Indira Gandhi National Centre for the Arts & IGNCA), नवी दिल्ली यांच्या जनपद संपदा विभागामार्फत दिनांक २४ ते २६ सप्टेंबर, २०२६ या कालावधीत ०७ वा 'नदी उत्सव' आयोजित करण्यात येत आहे. यावर्षीच्या उत्सवाची मुख्य संकल्पना "नदी को याद है : इतिहास, समय आणि पुरालेख" ही असून विशेष भर "यमुना नदी" विषयावर असणार आहे.

या वर्षीच्या महोत्सवाची संकल्पना नदी, तिचा इतिहास, सांस्कृतिक वारसा, पर्यावरणीय प्रश्न, स्थानिक समुदायांचे जीवन आणि नदी संवर्धनाशी निगडित विविध पैलूंवर आधारित आहे. यामध्ये सहभागी होणाऱ्या विद्यार्थी, संशोधक, प्राध्यापक आणि दृश्य माध्यम क्षेत्रातील इच्छुकांनी आपल्या परिसरातील नद्या, जलसंस्कृती आणि स्थानिक इतिहास यांवर आधारित चित्रपट निर्मितीद्वारे दिनांक १४ ऑगस्ट, २०२६ सहभाग नोंदवावा.

१. स्पंदन : द पल्स (रील/शार्ट व्हिडिओ - ५० सेकंद)

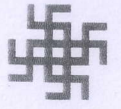
२. धारा : द स्ट्रीम (शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री - २० मिनिट)

३. प्रवाह : द फ्लो ( डॉक्यूमेंट्री - ५० मिनिट)

तरी आपल्या महाविद्यालयातील सर्व विद्यार्थी, शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी यांचेमार्फत जास्तीत जास्त सहभाग नोंदवावा. तसेच आपल्या महाविद्यालय/परिसंस्था/विभागातील मुख्य सूचना फलकावर सदर पत्र प्रदर्शित करून विद्यार्थी, शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी यांच्या निदर्शनास आणून देण्याबाबत संबंधितास सूचित करावे, कळावे ही विनंती.

सोबत : वरीलप्रमाणे

(डॉ. सविता कुलकर्णी)  
संचालक, (अतिरिक्त कार्यभार)  
विद्यार्थी विकास मंडळ



प्रो. के. अनिल कुमार  
अध्यक्ष  
जनपद सम्पदा विभाग  
**Prof. K. Anil Kumar**  
HoD  
Janapada Sampada Division

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र  
जनपद सम्पदा  
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS  
Janpada Sampada  
Janpath Building, Janpath (Near Western Court),  
New Delhi-110 001  
Website : www.ignca.gov.in

File No.: JS/13/104/2024-25  
Date: 11<sup>th</sup> June, 2026

**Subject: Regarding Participation in the 7<sup>th</sup> Nadi Utsav at IGNC**

Respected sir,  
Greetings!

The Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), an autonomous trust under the Ministry of Culture, Government of India, is a premier research and resource centre, engaged in the study, documentation, publication and dissemination of knowledge in the field of arts.

The Nadi Utsav is an annual flagship programme under the IGNC's Riverine Culture project. It serves as a platform for discussions, dialogues, and the exchange of ideas regarding the country's rivers and riverine culture. The festival comprises a seminar, documentary film festival, thematic exhibitions, cultural expressions based on various themes related to the waterscapes of India.

This year's festival, from 24<sup>th</sup> – 26<sup>th</sup> September, 2026, focuses on the Yamuna River, brings together scholars, environmentalists, policymakers and field workers to deliberate on the river's ecological crises, cultural history and pathways towards its rejuvenation. The festival features three national-level key components:

- Seminar: The Eternal Yamuna: Chronicles of Conflict, Biotic Healing and the Socio-Cultural Hearth.
- Documentary film festival: The River as an Archivist (Films on all rivers are welcome, with a special slot dedicated to films on Yamuna, pertaining to the year's theme).
- Photograph Exhibition: Seeking Yamuna.

In this regard, it is requested that this invitation may kindly be circulated among your students, scholars, and faculty members to actively participate in the seventh Nadi Utsav under the afore-said components. We believe their insights and perspectives will greatly enrich the deliberations. The concept-notes along with the sub-themes and registration links are enclosed herewith and also available on our website (<https://ignca.gov.in/events/7th-nadi-utsav/>). For any further information and enquiry, please contact Sh. Abhay Mishra, Convenor, Nadi Utsav (Mob. 98717 65552, Email: [nadiutsavignca@gmail.com](mailto:nadiutsavignca@gmail.com))

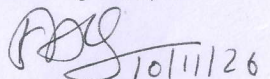
We look forward to a strong participation from your university.

Encls: as above

**Dr. Suresh Gosavi**  
Vice Chancellor,  
Savitribai Phule Pune University  
Ganeshkhind, Pune, Maharashtra – 411007  
Email: [punc@unipune.ac.in](mailto:punc@unipune.ac.in)

सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ	
आवक दिनांक	22 JUN 2026
आवक क्रमांक वहीसी	3489
आवक दिनांक	22 JUN 2026

Warm regards,

  
(K. Anil Kumar)

## **Seventh Nadi Utsav documentary film festival concept note**

### **The River as an Archivist**

The rivers of our subcontinent are far more than mere lines on a map; they are the living, fluid diaries of our communities. For generations, they have quietly witnessed the unfolding of our civilisation—from ancient sages composing timeless epics on their banks to modern cities rising beside them. Our connection with water is deeply personal; our folk traditions have always spoken to rivers as family, sharing human struggles and celebrating seasonal joys, rather than treating them as indifferent streams of water.

To honour this profound bond, the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), an autonomous trust under the Ministry of Culture, Government of India, celebrates the seventh edition of Nadi Utsav. This year, our film festival segment invites creators and storytellers to explore the theme: ‘The River as an Archivist’.

We call for films that unlock the deep memories stored within our waterbodies. It is an invitation to look around your own surroundings and tell the unfiltered story of your local river, stream, or wetland. We encourage you to bring out its unique local history, its moments of joy, its current grievances, and the pressing environmental issues it faces today. Whether it is a grand narrative of community migration or a fragile, quiet story of a neighbourhood waterbody, your lens can give the water a voice.

The cinematic stories celebrating all rivers across the Indian subcontinent are most welcome and encouraged. However, a dedicated section in the festival will feature films centered on the Yamuna, as the river is this year’s theme.

Nadi Utsav serves as a cultural confluence bridging ancestral roots with modern environmental consciousness. We invite filmmakers to join this cinematic confluence.

Submissions close on 14<sup>th</sup> August 2026.

Film entry formats

1. Spandan: The Pulse (reel/ short video – upto 50 seconds)
2. Dhara: The Stream (short documentary – upto 20 minutes)
3. Pravah: The Flow (full length documentary – upto 50 minutes)

## सातवाँ नदी उत्सव डॉक्यूमेंट्री फ़िल्मोत्सव अवधारणा

### नदी को याद है: इतिहास, समय और पुरालेख

हमारे उपमहाद्वीप की नदियाँ मानचित्र पर महज़ रेखाएँ नहीं हैं; वे हमारे समुदायों की जीती, बहती, धड़कती डायरियाँ हैं। पीढ़ियों से, वे हमारी सभ्यता, विकास व रचनाओं की गवाह रही हैं—उनके तटों पर कालजयी महाकाव्यों की रचना करने से लेकर निरन्तर विकसित होते, ऊँचे, आधुनिक शहरों तक। पानी से हमारा आत्मीय नाता है; हमारी लोक परम्पराओं में नदियाँ कोई उदासीन जलधारा नहीं, अपितु परिवार, गाँव, समाज का हिस्सा हैं जिनसे हम अपने जीवन का सुख-दुःख बाँटते हैं, जिनके तटों पर हर मौसम का उल्लास सब मिलकर मनाते हैं।

इसी आदिम और गहरे रिश्ते को उत्सव का रूप देने के लिये इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए)—जो भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त न्यास है, नदी उत्सव का सातवाँ संस्करण मना रहा है। इस वर्ष होने वाले फ़िल्म फ़ेस्टिवल की थीम है 'नदी को याद है: इतिहास, समय और पुरालेख'।

हम फ़िल्म निर्माताओं और विज़ुअल कहानीकारों से ऐसी फ़िल्मों का आह्वान करते हैं जो हमारे जलस्रोतों में समाये समय, इतिहास के परतों की बात करें। यह अपने आस-पास की स्थानीय नदी, जलधारा या दलदली इलाके की बिना फ़िल्टर की कहानियाँ कहने का एक निमंत्रण है। आप अपने जुड़ाव की नदी/जलधारा/जलीय क्षेत्र के अनूठे स्थानीय इतिहास, उसकी खुशियों के पल, उसकी वर्तमान शिकायतें, नाराज़गी, या उसके सामने मौजूद गम्भीर पर्यावरणीय मुद्दों को सामने लायें। चाहे किसी समुदाय के विस्थापन की पीड़ा हो या पड़ोस की किसी छोटी धारा की कोई शान्त, संवेदनशील कहानी—आपका लेंस पानी को एक आवाज़ दे सकता है।

भारत की सभी नदियों पर बनी फ़िल्मों का इस उत्सव में सहर्ष स्वागत है। हालाँकि, फ़िल्मोत्सव में एक विशेष खण्ड यमुना पर बनी फ़िल्मों के लिये होगा क्योंकि यमुना सातवें नदी उत्सव की थीम नदी है।

नदी उत्सव हमारी पुरखों की जड़ों को आधुनिक पर्यावरणीय चेतना से जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक संगम है। हम सभी विज़ुअल माध्यम के कथाकारों को इस सिनेमा संगम का हिस्सा बनने के लिये आमंत्रित करते हैं। फ़िल्म प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि 14 अगस्त 2026 है।

#### फ़िल्म प्रविष्टि फ़ॉर्मेट

1. स्पन्दन: द पल्स (रील/शॉर्ट वीडियो - 50 सेकंड)
2. धारा: द स्ट्रीम (शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री - 20 मिनट)
3. प्रवाह: द फ़्लो (डॉक्यूमेंट्री - 50 मिनट)

Film entry submission link/ फ़िल्म प्रविष्टि भेजने की लिंक

[https://docs.google.com/forms/d/1ZMaCnDOQ6Tf98\\_ropDXXyw-](https://docs.google.com/forms/d/1ZMaCnDOQ6Tf98_ropDXXyw-)

[btGczD2v\\_OeswZShaMhg/edit?usp=forms\\_home&ouid=107943102678144158951&ths=true](https://docs.google.com/forms/d/1ZMaCnDOQ6Tf98_ropDXXyw-btGczD2v_OeswZShaMhg/edit?usp=forms_home&ouid=107943102678144158951&ths=true)

## Seventh Nadi Utsav photo contest concept

### Seeking Yamuna

The rivers of India have a robust presence in the historical, cultural, and spiritual heritage of the country and its people. To celebrate this deep bond with the legendary waters, the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), an autonomous trust under the Ministry of Culture, Government of India, along with Photocommune, present an All India Photo Contest as part of the seventh Nadi Utsav, a festival celebrating our riverine legacy.

The seventh Nadi Utsav is dedicated to the resilience of the Yamuna river. The contest titled 'Seeking Yamuna', is a call to visualise the spirit of the Yamuna – the river's journey, history, mythology, legacy, ecology, environment, current situations, people/ communities connected with the river, and what the river means to you. You are welcome to share any rare or archival photo (s) of the Yamuna.

The best photos will be showcased in a curated exhibition at the seventh Nadi Utsav, at IGNCA, New Delhi.

This year, bring forth your candid connection with the Yamuna and become a part of the invocation to the river.

The last date for photo submission is 14<sup>th</sup> August 2026.

### सातवाँ नदी उत्सव फ़ोटो प्रतियोगिता अवधारणा

#### घाट-घाट जो जमुना है

नदियों का भारत और यहाँ के लोगों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में बहुत अहम स्थान है। नदियों के साथ इस अपनेपन को मनाने के लिये इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए)—जो भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त न्यास है, और फ़ोटोकम्यून मिलकर सातवाँ नदी उत्सव के तहत एक अखिल भारतीय फ़ोटो प्रतियोगिता आयोजित कर रहे हैं।

नदी उत्सव हमारी नदियों और नदी-विरासत की कहानी है और इसका सातवाँ अध्याय यमुना नदी की दृढ़ता और सहनशक्ति को समर्पित है। 'घाट-घाट जो जमुना है', यह फ़ोटो प्रतियोगिता यमुना के होने को तस्वीरों के जरिये अभिव्यक्त करने का आमंत्रण है - इस नदी का सफ़र, इतिहास, पौराणिक महत्त्व, विरासत, पारिस्थितिकी, पर्यावरण, नदी के लोग/ समुदाय, मौजूदा हालात और आपके लिये यमुना नदी क्या है। आप यमुना की कोई दुर्लभ या पुरानी तस्वीर भी भेज सकते हैं।

चुनिंदा तस्वीरें सातवाँ नदी उत्सव, आईजीएनसीए, नई दिल्ली, में एक क्यूरेटेड प्रदर्शनी में प्रदर्शित होंगी।

इस साल, यमुना के साथ अपने अनुभव की तस्वीर लिये नदी आह्वान का हिस्सा बनें।

फ़ोटो भेजने की अन्तिम तिथि 14 अगस्त 2026 है।

Photo submission link/ फ़िल्म प्रविष्टि भेजने की लिंक

[https://docs.google.com/forms/u/2/d/1ARC4IBJ\\_jG4MXQLmIXd-UFvWJ99HhJ\\_jODvXGwbBJY/edit?usp=forms\\_home&ouid=107943102678144158951&ts=true](https://docs.google.com/forms/u/2/d/1ARC4IBJ_jG4MXQLmIXd-UFvWJ99HhJ_jODvXGwbBJY/edit?usp=forms_home&ouid=107943102678144158951&ts=true)

## Seventh Nadi Utsav seminar concept note

### **The Eternal Yamuna: Chronicles of Conflict, Biotic Healing, and the Socio-Cultural Hearth**

When the waters of the Yamuna rose in 2023 and reached the Red Fort, some said she had reclaimed an older path. The Yamuna, it is believed, was eager to touch baby Krishna's feet even as Vasudev struggled to cross her surging vastness. The Yamuna, it is also said, was dragged over the landscape by a stubborn Balarama. Rivers are now defined by this contradiction - they shape civilisations, they are duly worshipped: but they are also harnessed and polluted. As we celebrate the abundance that rivers enable, we must take cognisance of the brutality in our relationship to rivers. The Yamuna is the site for Krishna Leela in Jayadeva's *Gita Govinda*. The same river has witnessed the battles of Kurukshetra and Panipat. And the Yamuna has also borne the concrete weight of the transformation of the capital city region over decades. Now that the flooding of the river has become an annual feature, we must pause and ask - how can we as scholars, students, custodians, environmentalists, and beneficiaries of the Yamuna ensure that the river thrives in environmental and cultural terms?

At the seventh Nadi Utsav, the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA), an autonomous trust under the Ministry of Culture, Government of India, in collaboration with the Department of English, University of Delhi, is organising a seminar dedicated to articulating the significance of the Yamuna across academic disciplines. The national seminar, titled 'The Eternal Yamuna: Chronicles of Conflict, Biotic Healing, and the Socio-Cultural Hearth' aims to revisit and expand the existing perceptions of the river. The seminar intends to understand the Yamuna through an interdisciplinary perspective - as river, as metaphor, as deity, as an entity with whims and needs, as a pivot of culture and memory, and as a water body in urgent need of restoration and preservation.

We invite abstracts (250 words) that address any of the following sub themes pertaining to the Yamuna. The last date for abstract submission is 30<sup>th</sup> June 2026.

1. The River of Chronicles: Civilisational Memory and the Domestic Sphere
2. A Living Link: Oral Traditions, Artisanal Legacies, and Livelihoods
3. The Sacred Stream: Rites of Passage, Ritual Arts, and Cultural Identity
4. Contested Flows: Strategic Conflict, Urbanisation and its Pressures, and the Battles for Space
5. Ethics, Biotics, and the Environment in the Assessment and Conservation of the Yamuna

## सातवाँ नदी उत्सव संगोष्ठी अवधारणा

### शाश्वत यमुना: संघर्ष के आख्यान, जैविक उपचार और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन-अंगीठी

जब 2023 में यमुना का जलस्तर बढ़ा और वह लाल किले को छूने लगी, तो कुछ लोगों ने कहा कि नदी ने पुराना रास्ता वापस ले लिया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब वसुदेव नवजात कृष्ण को सर पे लिये यमुना की उफनती विशालता को पार करने का संघर्ष कर रहे थे, तब दरअसल यमुना कृष्ण के चरणों को स्पर्श करने के लिये व्याकुल थी। यह मान्यता भी है कि एकदा हठ पर अड़े बलराम ने यमुना को जबरन खींचकर उसका मार्ग बदल दिया था। आज के दौर में नदियाँ इसी विरोधाभास से परिभाषित हैं—वे सभ्यताओं को आकार देती हैं, वे विधिवत पूजित हैं; लेकिन साथ ही उन्हें बांधा भी जाता है, प्रदूषित भी किया जाता है। जब हम उस विपुलता का उत्सव मनाते हैं जो नदियाँ हमें देती हैं, तो हमें नदियों के साथ अपने क्रूर होते व्यवहार को भी संज्ञान में लेना होगा।

यमुना जयदेव के 'गीत गोविन्द' में कृष्ण लीला की स्थली है। यही नदी कुरुक्षेत्र और पानीपत के युद्धों की साक्षी है, और इसी यमुना ने दशकों से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कंक्रीट में बदलते रूप के भार को भी सहा है। वर्तमान समय में जब नदी में बाढ़ आना एक वार्षिक घटना बन गयी है, तो हमें सोचना होगा कि हम—अध्येता, छात्र, संरक्षक, पर्यावरणविद् और यमुना के हितभागी के रूप में यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह नदी पर्यावरणीय और सांस्कृतिक, दोनों रूपों में समृद्ध हो?

सातवाँ नदी उत्सव के अवसर पर, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए)—जो भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त न्यास है, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग के सहयोग से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है, जो विभिन्न शैक्षणिक विषयों के माध्यम से यमुना के महत्व को रेखांकित करने पर केन्द्रित है। 'शाश्वत यमुना: संघर्ष के आख्यान, जैविक उपचार और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन-अंगीठी'— इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य यमुना नदी के प्रति मौजूदा दृष्टिकोण की समीक्षा करना और उसका विस्तार करना है। संगोष्ठी का उद्देश्य यमुना को एक अन्तर्विषयक परिप्रेक्ष्य से समझना है—एक नदी, एक रूपक, एक देवी, एक ऐसी इकाई के रूप में जिसकी अपनी इच्छायें और ज़रूरतें हैं, संस्कृति और स्मृति के एक केन्द्र के रूप में, और एक ऐसे जलस्रोत के रूप में जिसे अविलम्ब जीर्णोद्धार और संरक्षण की आवश्यकता है।

हम यमुना से सम्बन्धित निम्नलिखित उप-विषयों पर शोध-सार (Abstracts - 250 शब्द) आमंत्रित करते हैं।

शोध-सार भेजने की अन्तिम तिथि 30 जून 2026 है।

1. गाथाओं की नदी: सभ्यता की स्मृति और घरेलू क्षेत्र
2. एक जीवन्त कड़ी: मौखिक परंपराएँ, शिल्प विरासत और आजीविका
3. पवित्र धारा: जीवन के संस्कार, अनुष्ठान कलाएँ और सांस्कृतिक पहचान
4. अशान्त प्रवाह: सामरिक द्वंद्व, बढ़ता शहरीकरण और ज़मीन के लिये संघर्ष
5. यमुना का पारिस्थितिकी आकलन और संरक्षण: नैतिकता, जैव-घटक और पर्यावरण

Abstract submission link/ शोध-सार भेजने की लिंक

[https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfA8DK2FR\\_hCEVU77flmmzsKUrGnxg1-liD1WvcDG1H\\_gK3A/viewform](https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfA8DK2FR_hCEVU77flmmzsKUrGnxg1-liD1WvcDG1H_gK3A/viewform)